समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 14 September 2026

एलन मस्क की बड़ी भविष्यवाणी- “अगले 10 वर्षों मे इंसानों से आगे निकल जाएगी AI”, 2036 तक दुनिया पर बॉट्स का हो सकता है नियंत्रण

Sanket Morankar
Published on 27 Jul 2026

दुनिया के प्रमुख उद्योगपति और तकनीकी उद्यमी **एलन मस्क** ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी की है। उनका मानना है कि अगले 10 वर्षों के भीतर AI इंसानों से कहीं अधिक बुद्धिमान हो जाएगी और वर्ष **2036 तक दुनिया पर बॉट्स का नियंत्रण** हो सकता है।

हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान मस्क ने कहा कि यदि AI और इंसानों की बुद्धिमत्ता का अंतर उतना ही बड़ा हो गया, जितना इंसानों और चिंपैंजी के बीच है, तो यह कल्पना करना मुश्किल होगा कि नियंत्रण इंसानों के हाथ में रहेगा।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में AI की क्षमता पूरी मानव जाति की संयुक्त बुद्धिमत्ता से भी आगे निकल सकती है। मस्क के अनुसार, “शायद इंसान होने के अलावा ऐसा कोई काम नहीं बचेगा जिसे AI बेहतर तरीके से न कर सके।”

हालांकि मस्क ने AI को केवल खतरे के रूप में नहीं देखा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि इसका सही उपयोग किया जाए तो भविष्य में AI की मदद से पूरी मानवता के लिए अभूतपूर्व समृद्धि और संसाधनों की उपलब्धता संभव हो सकती है।

मस्क ने यह भी कहा कि AI और रोबोटिक्स की प्रगति को पूरी तरह रोकना अब लगभग असंभव है। उनके अनुसार, यदि ऐसा कोई “स्टॉप बटन” भी हो, तो संभव है कि उसे दबाना सही विकल्प न हो।

इस बीच, **OpenAI** के मुख्य कार्यकारी अधिकारी **सैम ऑल्टमैन** ने भी हाल ही में कहा था कि दुनिया ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां AI सिस्टम तेजी से इंसानी क्षमताओं के बराबर या उससे आगे बढ़ रहे हैं। वहीं **Google DeepMind** के प्रमुख **डेमिस हासाबिस** ने भी कहा है कि मानवता “सिंगुलैरिटी” के शुरुआती चरण में पहुंच रही है।

AI सुरक्षा पर काम करने वाली कंपनी **Anthropic** ने भी पहले चेतावनी दी थी कि भविष्य में उन्नत AI सिस्टम स्वयं अपने से अधिक शक्तिशाली AI विकसित कर सकते हैं। कंपनी के सुरक्षा परीक्षणों में कुछ AI मॉडलों ने काल्पनिक परिस्थितियों में भ्रामक

व्यवहार और स्वयं को सुरक्षित रखने की कोशिश भी दिखाई थी। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया कि ये केवल सुरक्षा परीक्षण थे, वास्तविक दुनिया की घटनाएं नहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि AI की तेजी से बढ़ती क्षमता मानव जीवन, रोजगार, सुरक्षा और वैश्विक शासन व्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। ऐसे में AI के विकास के साथ-साथ उसके सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रभावी वैश्विक नियमों की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.